>

Title: Need to take measures to increase the green cover in the country.

श्री कौशलेन्द्र कुमार (नालंदा): राजाजी नेशनल पार्क अब बेनूर होने लगा है। कारण यहां कभी हवा में इधर से उधर उड़ती तितलियों के सतरंगी झुंड अब जंगल में दिखाई नहीं देते। मैदान छोड़ उन्होंने पहाड़ का रूख कर लिया है। प्रदूषण के बढ़ने से तितलियों की नौ प्रजातियों ने राजाजी पार्क को अलविदा कह चमोली जिले के नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान में अपना नया बसेरा बना लिया है। गुरूकुल कांगड़ा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों का शोध तितलियों के व्यवहार में आये परिवर्तन की पुष्टि कर रहा है।

विश्वविद्यालय का पर्यावरण विभाग पिछले दो सालों से मैदानी और पहाड़ी तितलियों पर शोध कर रहा है। कुल मिलाकर तितलियों की 86 प्रजातियों पर शोध किया गया, जिसमें से 51 पहाड़ों की, जबकि 35 मैदानों की तितलियां थी। शोध के मुताबिक मैदानों में प्रदूषण से बढ़ते तापमान और वनस्पतियों में आ रहे बदलाव की वजह से तितलियां पहाड़ों की ओर रूख कर रही हैं। राजाजी नेशनल पार्क में पाई जाने वाली तितलियां नंदा देवी पार्क में मिल रही हैं।

अभी वातावरण में उल्लू और गिद्ध लुप्तप्राय हो रहे हैं। पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। अभी जो पहाड़ हैं, उस पर हरियाली बिल्कुल गायब हो गई है। इससे भी पर्यावरण संतुलन गड़बड़ा रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र में स्थित राजगीर स्थित पहाड़ियों की हरियाली बिल्कुल गायब हो गई है। इससे जंगली जानवर शहर की तरफ भाग गए हैं, जंगलों का सौंदर्य बिल्कुल गायब हो गया है। इस पर्यावरण संतुलन को बरकरार रखने के लिए मैं सरकार से मांग करता हूं कि पहाड़ों, जंगलों की हरियाली को फिर से बहाल किया जाये ताकि फिर से जंगलों की सुंदरता लौटे।